


तारीख हुक्म	<p>नागुराम नील vs. रामचंद्र नील वगैरे के खिलाफ-१ हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हए</p>
<p>14/7/12</p>	<p>5074/12</p> <p>पत्रावली चिन्हित होने से राजस्व लोक अदालत केम्प में तलब की गयी। अधिवक्ता मय पक्षकारान 300 अनु० प्रकरण का अवलोकन मनन किया गया जिससे जाहिर आया कि उक्त प्रार्थना-पत्र से संबंधित मूल वाद का निस्तारण हो जाने से अब इस प्रार्थना-पत्र का कोई औचित्य शेष नहीं रहता है। अतः प्रार्थी/प्रार्थीगण का उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-212 आर.टी.ए. मूल वाद के अभाव में इसी स्तर पर खारीज किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दाखिल दफतर होकर नम्बर से कम हो। निर्णय आज दिनांक को लोक अदालत केम्प में लिखाया जाकर मजमे आम सुनाया गया।</p> <p style="text-align: center;">  (बलवन्तसिंह लिग्रि) पीठासीन अधिकारी उपरवर्द्ध अधिकारी आसीन्द (भीलवाडा) लोक अदालत-2017 </p>	